□□□□ □□□□□
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स□□स्थ□ □□□□□□□ □□□□□

□□ज□ □□□
अतारां□कत प्रश्न □ख□□: 1036
20 □□□□□, 2020 □□ □□□□□□□□□□□□□प्रश्□ □□ □त्त□

□□□□□-19 □□□□□□ □□□□□□ □□□□

1036 श्री □□□□□□□□ □□□□

क्या स्वास्थ्य और परिवार □ल□□□ □त्री यह बताने की कृपा करगे कि:

(क) वतमान म भारत म कोविड-19 के लिए कितने टीके विकसित किए जा रहे ह;
(ख) उनम से कितने टीके निजी कंपनियों द्वारा और कितने सरकार द्वारा विकसित किए जा रहे ह;
(ग) वतमान म वे विकास के कौन से चरण म ह;
(घ) आम जनता को कोविड-19 का टीका कब तक उपलब्ध कराया जाएगा;
(ङ) सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन टीकों के विकास म समुचित नैदानिक परीक्षणों और प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है, क्या-क्या कदम उठाए जा रहे ह; और
(च) सरकार द्वारा कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने के लिए कौन-कौन से अन्य विकल्पों का पता लगाया जा रहा है?

□त्त□
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण □□ज□ □त्री (श्री □□श्वे□□ □□□□ □□□)□

(क) से (ङ): कद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने सूचित किया है कि इसने भारत म निम्नलिखित निमाताओं को नैदानिक पूव परीक्षण, जांच और विश्लेषण के लिए कोविड-19 टीके के विनिमाण के लिए परीक्षण लाइसस अनुमति प्रदान की है:-

1. मैसस सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पुणे
2. मैसस कैडिला हेल्थ केयर लिमिटेड, अहमदाबाद
3. मैसस भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड, हैदराबाद
4. बायलोजिकल ई. इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद
5. मैसस रिलायंस लाईफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई
6. मैसस अरबिन्दो फामा लिमिटेड , हैदराबाद
7. मैसस जिनोवा बायोफामास्युटिकल्स लिमिटेड, पुणे

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), जो स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के अधीन एक स्वायत्त शासी संगठन है, ने सूचित किया है कि यह कोविड-19 के टीकों से संबंधित निम्नलिखित अध्ययनों को सुविधा प्रदान कर रही है:-

(i) भारत बॉयोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड (बीबीआईएल) ने आईसीएमआर- राष्ट्रीय विषाणु संस्थान (एनआईवी), पुणे द्वारा प्रदत्त वायरस आइसोलेट (एनआईवी-2020-770) का प्रयोग करके सास-सीओवी-2 हेतु एक निष्क्रिय सम्पूण वायरोन कैण्डीडेट वैक्सीन (बीबीवी152) का विकास किया है। सुरक्षा और छोटे पशुओं जैस चूहे, मूषक और खरगोश म सहनशीलता अध्ययनों करने के बाद आईसीएमआर-एनआईवी म वैक्सीन कण्डीडेट का चरित्र वणन शुरू किया गया है। नैदानिक परीक्षणों को स्थिति का ब्यौरा निम्नवत है:

- बडे जानवरों म समानान्तर अध्ययनों के साथ चरण-I के नैदानिक परीक्षण पूण हो चुके है। परीक्षण ने कैण्डीडेट वैक्सीन को उत्कृष्ट सुरक्षा को प्रकट किया है। प्रतिरक्षाजनत्व परीक्षण विकासाधीन है।
- चरण-II के नैदानिक परिक्षण चल रहे ह।

(ii) कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड द्वारा एक डीएनए वैक्सीन (जडवाईसीओवी-डी) विकसित को गई है। छोटे जानवरों मूषक, चूहे, खरगोश और गिनी पिगों म पूव-नैदानिक विषाक्तता अध्ययन किए गए थे। और प्रतिरक्षापरकता पाई गई है। कैडिला ने रेसस मेकाक्यूस म समानान्तर पूव-नैदानिक अध्ययन करने के लिए आईसीएमआर के साथ साझेदारी को है। नैदानिक परिक्षणों को स्थिति का ब्यौरा निम्नवत है:

- नैदानिक परिक्षणों का चरण-I पूण हा चुका है। परीक्षण ने कैण्डीडेट वैक्सीन को उत्कृष्ट सुरक्षा को प्रकट किया है। प्रतिरक्षाजनत्व परीक्षण विकासाधीन है।
- चरण-II के नैदानिक परीक्षण चल रहे ह।

(iii) सीरम इस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ( एसआईआई) और आईसीएमआर ने दो वैश्विक वैक्सीन कडिडेट्स के नैदानिक विकास के लिए साझेदारी को है:

- सीएचएडीओएक्स1- एस जो कि ऑक्सफोड विश्वविद्यालय/ एस्ट्रा जिनके द्वारा विकसित एक नॉन रेप्लिकेटिग वायरल वेक्टर वैक्सीन है। यह वैक्सीन ब्राजील म चरण III के नैदानिक परीक्षण म है। आईसीएमआर ने 14 नैदानिक परीक्षण स्थलों पर चरण II/III के ब्रिजिग अध्ययनों को शुरूआत को है। आईसीएमआर राष्ट्रीय क्षय रोग अनुसंधान संस्थान, चेन्नै अग्रणी संस्थान है।

आईसीएमआर और एसआईआई ने यूएसए से नोवाक्स द्वारा विकसित ग्लाईकोप्रोटीन सबयूनिट नैनोपार्टिकल एड्जुविटेड वैक्सीन के नैदानिक विकास हेतु भी साझेदारी को है। एसआईआई द्वारा वैक्सीन के विनिमाण के उपरांत अक्टूबर को दूसरी तिमाही म परीक्षण को शुरुआत को जाएगी। इस परीक्षण का नेतृत्व आईसीएमआर- राष्ट्रीय एड्स अनुसंधान संस्थान ( एनएआरआई), पुणे द्वारा किया जा रहा है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग ( डीबीआई)/ विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ( डीएसआई) द्वारा दिए गए ब्यौरे के अनुसार, 30 से अधिक वैक्सीन कैडीडेट्स को सहयोग प्रदान किया गया है जो विकास के विभिन्न चरणों के अधीन है ।

हालांकि सरकार और उद्योग जगत शीघ्रातिशीघ्र कोविड-19 को सुरक्षित एंव प्रभावी वैक्सीन उपलब्ध कराने के लिए अपने बेहतर प्रयास कर रहे है, वैक्सीन के विकास म निहित विभिन्न जटिलताओं को देखते हुए निश्चित समय सीमा के बारे म टिप्पणी करना मुश्किल है।

(च): आईसीएमआर ने सूचित किया है कि कोविड-19 महामारी को समुदाय भागीदारी और मास्क के उपयोग, सामाजिक दूरी और हाथों को स्वच्छता परिपाटियों के साथ प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है,

कोरोना वायरस मरीजों के इलाज के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे अन्य उपाय निम्नानुसार ह:

(i) आयुष मंत्रालय ने 29.01.2020 को एक एडवाइजरी जारी की कि कोविड से कैसे कोई अपना बचाव कर सकता है और कैसे स्वस्थ रह सकता है। मंत्रालय ने 06.03.2020 को सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के मुख्य सचिवों को भी पत्र लिखा है जिसम लोगों को सामान्य रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और संभावित आयुष उपचार के बारे म और अधिक विशिष्ट सुझाव दिए गए ह। मंत्रालय ने श्वसन स्वास्थ्य का विशेष उल्लेख करते हुए निवारक स्वास्थ्य उपायों के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए 31.03.2020 को स्व-देखभाल दिशानिदश भी जारी किए ह।

(ii) आयुष मंत्रालय ने आयुवद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी के जरिए कोविड-19 पर अनुसंधान शुरू करने के लिए 21.04.2020 को गजट अधिसूचना जारी की जिसम प्रोफाइलैक्टिक उपाय, क्वारंटीन के दौरान उपचार, कोविड-19 के एसिप्टोमैटिक और सिप्टोमैटिक मामले, जन स्वास्थ्य अनुसंधान, सवक्षण, प्रयोगशाला आधारित अनुसंधान आदि शामिल ह ताकि साक्ष्य सृजित किया जा सके।

(iii) अंतर-विषयक आयुष अनुसंधान एवं विकास कायबल का गठन किया है। कायबल ने नैदानिक अनुसंधान प्रोटोकॉल तैयार और डिजाइन किए ह ताकि चार अलग-अलग उपचारों यथा अश्वगंधा, यष्टिमधु, गुडुची+पीप्पली और एक पॉली हबल औषधयोग (आयुष-64) के अध्ययन हेतु देशभर के विभिन्न संगठनों के उच्च प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के परामश और समीक्षा के जरिए प्रोफाइलैक्टिक अध्ययन और कोविड-19 के पॉजिटिव मामलों का एड-ऑन उपचार किया जा सके। आयुष मंत्रालय द्वारा विकसित संजीवनी मोबाइल ऐप भी शुरू किया गया है ताकि लोगों म आयुष सलाह और उपायों की स्वीकायता और उपयोग तथा कोविड-19 के निवारण म इसके प्रभाव के बारे म आंकड़े सृजित किए जा सक। इसम 05 मिलियन लोगों को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है।

*****